एम. कॉम

प्रथम सत्र

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम)

प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य

2024

जनवरी 2024 तथा जुलाई 2024 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य - 2024

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2024 और जुलाई 2024)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2024** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2024** है।

2. जो **जुलाई 2024** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2024** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**संगठन सिद्धांत और व्यवहार**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2024**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. प्रबंध के कौन – कौन से विभिन्न सिद्धांत हैं ? प्रबंध के विभिन सिद्धांतों को व्यवहार में लेन के संबंध में आधुनिक संगठन विशिष्ट क्लासिकी संगठनो से किस प्रकार से भिन्न हैं ? **(20)**

2. (क) किसी संगठन को सुचारू रूप से चलाने के सिद्धांत किस प्रकार से सहायक होते हैं ? **(10+10)**

(ख) संगठनात्मक विकास अंत: क्षेपों के लिए टीम, निर्माण किस प्रकार से उपयोगी होता है ।

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:** **(4X5)**

(क) संगठनात्मक व्यवहार के अध्ययन से प्रबंध की प्रभाविता बढ़ सकती है।
(ख) अधिगम के फलस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन होते हैं और निष्पादन को बढ़ता है।
(ग) व्यवहार अभिवृति को प्रभावित करती है और अभिवृति व्यवहार को प्रभावित करती है।
(घ) सामाजिक अधिगम सिद्धांत व्यक्तित्व को आकार देने में मदद करता है।

4. **निम्नलखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** **(4X5)**

(क) मैस्लो और हर्जबर्ग के सिद्धांत।
(ख) जॉब संवर्धन और जॉब विस्तार।
(ग) औपचारिक संप्रेषण और अनौपचारिक संप्रेषण।
(घ) एकतंत्रीय नेतृत्व के ढंग और लोकतंत्रीय नेतृत्व के ढंग।

5. **निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए:**

(क) समृद्ध संशक्ति। **(4X5)**
(ख) वैध और अवैध राजनीतिक व्यवहार।
(ग) संगठनात्मक संस्कृति को प्रभावित करने वाले कारक।
(घ) दबाव प्रबंधन।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यवसाय परिवेश**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04/टी. एम. ए./ 2024**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

1. व्यवसाय परिवेश के मुख्य घटकों की संक्षिप्त रूप से व्याख्या कीजिए तथा व्यापार पर उनके प्रभावों की विवेचना कीजिए । **(20)**

2. उपभोक्तावाद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए तथा भारत में उपभोक्ता आन्दोलन के विकास को रेखांकित कीजिए। **(20)**

3. भारतीय अर्थव्यवस्था को अविकसित अर्थव्यवस्था क्यों समझा जाता है ? इसकी आधारभूत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **(20)**

4. 1956 औद्योगिक नीति प्रस्ताव की मुख्य विशेषताएं बताइए। इस नीति के उद्देश्यों को कहाँ तक पूरा किया जा सका? **(20)**

5. गैट (GATT) से भिन्न विश्व व्यापार संगठन (WTO) के कार्यों तथा अधिकार क्षेत्र की विवेचना कीजिए। **(20)**

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंधकीय निर्णयों के लिए लेखांकन**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05/टी. एम. ए./ 2024**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. उन लेखांकन संकल्पनाओं की व्याख्या कीजिए जो अभिलेखन में लेखाकारों का मार्गदर्शन करती हैं। (20)

2. निम्नलिखित में अंतर कीजिए: (4x5)

(क) उत्पादन लागत तथा अवधि लागत

(ख) नियंत्रणीय तथा अनियंत्रणीय लागत

(ग) परिवर्ती तथा स्थिर लागतें

(घ) प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लागतें

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : (4x5)

(क) विक्रय बजट

(ख) सामग्री बजट

(ग) उत्पादन लागत बजट

(घ) उपरिव्यय बजट

4. मानक लागत लेखांकन के लाभों तथा सीमाओं की व्याख्या करते हुए एक विस्तृत नोट लिखिये । (20)

5. एक उद्यम में उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की रिपोर्टों की व्याख्या कीजिए। (20)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -021**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंधकीय अर्थशास्त्र**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -021टी. एम. ए./ 2024**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'प्रबंधकीय अर्थशास्त्र व्यवसाय निर्णय लेने के लिए पारंपरिक अर्थशास्त्र और निर्णय विज्ञान के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है।' इस कथन को प्रबंधकीय अर्थशास्त्र की संसाधन आवंटन, पूर्वानुमान, मूल्य निर्धारण रणनीतियों और समग्र संगठनात्मक प्रदर्शन को अनुकूलित करने की भूमिका पर विचार करते हुए स्पष्ट करें। (20)

2. क) सिर्फ दो वस्तुओं की दुनियां में जहाँ सारी आय दो वस्तुओं पर खर्च हो जाती है , दोनों वस्तुएं अवर नहीं हो सकती है। सत्य या असत्य ? समझाइए । (10+ 10)

ख) ह्रासमान सीमांत प्रतिफल के नियम की व्याख्या कीजिए और परिघटना का एक उदाहरण दीजिए ।

3. उत्पादन लागत से संबंधित है । वास्तव में, लागत फलन आंकलित उत्पादन फलन से प्राप्त किया जा सकता है । उत्पादन फलन के अनुभवजन्य निर्धारण को ध्यान में रखते हुए, क्या आप लागत फलन से संबंधित सांख्यिकीय विश्लेषण की कुछ सीमाओं के बारे में सोच सकते हैं ? उपरोक्त सीमाओं के बावजूद, एक आंकलित लागत फलन एक प्रबंधक के लिए कैसे उपयोगी है ? (20)

4. कुछ कारकों के आधार पर बाजार संचरना को वर्गीकृत और व्याख्या कीजिए और उदाहरणों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए । (20)

5 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए : (4X5)

(क) अवसर लागत

(ख) सीमांत लागत

(ग) एकाधिकार शक्ति

(घ) कीमत लोच के निर्धारक